رسالہ

علم القیافہ

تحفہ سالگرہ

مؤلفہ

حکیم عبید اللہ خاں
گوالیار

عالیجاہ دربار پریس گوالیار

۲۴ نومبر سنہ ۱۹۳۲ء

٣٣١٥٢

और वजूद ऐसे शख़्स का जिस
में तमाम बातें उम्दा ही हों और
कोई बुरी अलामत न हो मुश्किल है.
इस लिये कि ऐसे शख़्स का
वजूद ऐतदाल हक़ीक़ी पर मौक़ूफ़
है और ऐतदाल हक़ीक़ी किसी
नौअ इन्सान में नहीं पाया जाता
जैसा कि इल्म तिब में मज़कूर है.

नोट.

इस रिसाले का मज़मून हस्बज़ैल कु-
तुब से इन्तख़ाब किया गया है.

१ मतलउल उलूम.
२ अख़लाक़ मोहसिनी.
३ ख़ज़ीनतुल मलूक.
४ ज़्याफ़तुल अख़वान.
५ अबजदुल उलूम.
६ मिफ़्ताहुस्सआदत.

اور وجود ایسے شخص کا جس
میں تمام باتیں عمدہ ہی ہوں
اور کوئی بری علامت نہ ہو مشکل ہے
اس لئے کہ ایسے شخص کا وجود
اعتدال حقیقی پر موقوف ہے۔ اور
اعتدال حقیقی کسی نوع انسان میں
نہیں پایا جاتا جیسا کہ علم طب
میں مذکور ہے۔

نوٹ

اس رسالہ کا مضمون حسب ذیل
کتب سے انتخاب کیا گیا ہے۔

(۱) مطلع العلوم۔
(۲) اخلاق محسنی
(۳) خزینۃ الملوک
(۴) ضیافۃ الاخوان
(۵) ابجد العلوم
(۶) مفتاح السعادت

अलामात नाख़ुने पा,
(पाऊं के नाख़ून)

पाऊं के नाख़ून का ज़र्द या स्याह होना दलील है एबदार होने की. और सुर्ख व साफ़ होना दलील है हुनरमन्द होने की.

साहब इल्म क़्याफ़े को चाहिये कि जिस शख़्स में निशानियां बुरी ज़्यादा हों और अच्छी कम हों वहां एतबार बुरी खसलतों का करे- और जिस शख़्स में अच्छी अलामतें ज़्यादा हों बुरी कम हों तो अच्छी अलामतों का लिहाज़ करे- और अगर दोनों बराबर हों तो ऐसे लोग नेकी - और बदी में दरम्याना होते हैं.

यह जिस क़दर अलामतें ऊपर बयान की गई हैं मर्दों और औरतों दोनों में पाई जाती हैं-

علامات ناخنِ پا (پاؤں کے ناخن)

پاؤں کے ناخن کا زرد یا سیاہ ہونا دلیل ہے عیب دار ہونے کی۔ اور سرخ و صاف ہونا دلیل ہے ہنرمند ہونے کی۔

صاحب علم قیافہ کو چاہئے کہ جس شخص میں نشانیاں بری زیادہ ہوں اور اچھی کم ہوں وہاں اعتبار بری خصلتوں کا کرے۔ اور جس شخص میں اچھی علامتیں زیادہ ہوں بری کم ہوں تو اچھی علامتوں کا لحاظ کرے۔ اور اگر دونوں برابر ہوں تو ایسے لوگ نیکی اور بدی میں درمیانہ ہوتے ہیں۔

یہ جس قدر علامتیں اوپر بیان کی گئی ہیں مردوں اور عورتوں دونوں میں پائی جاتی ہیں۔

बारीक होना निशानी है तेज़फ़ेहमी की.	باریک ہونا نشانی ہے تیز فہمی کی۔
छोटा और मोटा होना निशानी है कुन्द ज़ेहनी की.	چھوٹا اور موٹا ہونا نشانی ہے کند ذہنی کی۔
मिला हुवा होना निशानी है नेकी और भलाई की.	ملا ہوا ہونا نشانی ہے نیکی اور بھلائی کی۔
मुतफ़र्रिक़ और परेशान होना निशानी है बदहाली की.	متفرق اور پریشان ہونا نشانی ہے بدحالی کی۔
अंगूठे के पास की उंगली अंगूठे से लम्बी हो तो दलील है नेकबख़्ती और इक़बालमन्दी और मालदारी की.	انگوٹھے کے پاس کی انگلی انگوٹھے سے لمبی ہو تو دلیل ہے نیکبختی اور اقبالمندی اور مالداری کی۔
और अगर सारी उंगलियां पाऊं की छोटी हों तो यह निशानी है बद बातिनी की.	اور اگر ساری انگلیاں پاؤں کی چھوٹی ہوں تو یہ نشانی ہے بدباطنی کی۔
और जिस शख़्स का अंगूठा बहुत चौड़ा और फैला हुवा हो वह बहुत मुल्कों और शहरों में फिरेगा.	اور جس شخص کا انگوٹھا بہت چوڑا اور پھیلا ہوا ہو وہ بہت ملکوں اور شہروں میں پھرے گا۔

और पस्ता होना और बहुत बाल होना निशानी है बदबख़्ती और बदमिज़ाजी की।

अलामात कफ़े पा,

(पाऊं का तलुवा।)

तलवों का पीला या स्याह होना निशानी है कम औलाद होने और बदचलन होने की।

तलुवों का ख़ाली होना लकीरों से निशानी है कि वह शख़्स अक्सर पैदल चलेगा।

और तलुवों का सुर्ख़ और नर्म होना निशानी है अक़्ल और दौलत की।

और तलवों पर निशान जौ और अलम और संख का होना निशानी है ज़्यादती दौलत और इक़बाल की।

अलामात अंगुश्तान पा

(पैर की उंगलियां।)

पाऊं की उंगलियों का लम्बा और

اور پستہ ہونا اور بہت بال ہونا نشانی ہے بدبختی اور بدمزاجی کی۔

علامات کفِ پا (پاؤں کا تلوا)

تلووں کا پیلا یا سیاہ ہونا نشانی ہے کم اولاد ہونے اور بدچلن ہونے کی۔

تلووں کا خالی ہونا لکیروں سے نشانی ہے کہ وہ شخص اکثر پیدل چلے گا۔

اور تلووں کا سرخ اور نرم ہونا نشانی ہے عقل اور دولت کی۔

اور تلووں پر نشان جو اور علم اور سنکھ کا ہونا نشانی ہے زیادتی دولت اور اقبال کی۔

علامات انگشتانِ پا (پیر کی انگلیاں)

پاؤں کی انگلیوں کا لمبا اور

टख़ने पर बालों का होना निशानी है क़िल्लत औलाद की.	ٹخنے پر بالوں کا ہونا نشانی ہے قلت اولاد کی۔
अगर एक टख़ना बड़ा हो और दूसरा छोटा वह शख़्स अक्सर क़ैदख़ाने में रहेगा.	اگر ایک ٹخنہ بڑا ہو اور دوسرا چھوٹا وہ شخص اکثر قیدخانہ میں رہے گا۔
टख़ना छोटा और गोल होना निशानी है दौलतमन्दी की.	ٹخنہ چھوٹا اور گول ہونا نشانی ہے دولتمندی کی۔
टख़ना बुलन्द और टेढ़ा हो निशानी है इफ़्लास की.	ٹخنہ بلند اور ٹیڑھا ہونا نشانی ہے افلاس کی۔
अलामात अक़ब (एड़ी.)	**علامات عقب (ایڑی)**
एड़ी छोटी और नर्म निशानी है दौलतमन्दी की.	ایڑی چھوٹی اور نرم نشانی ہے دولتمندی کی۔
एड़ी बड़ी और टेढ़ी निशानी है - इफ़लास की.	ایڑی بڑی اور ٹیڑھی نشانی ہے افلاس کی۔
एड़ी पुरगोश्त जो वक़्त चलने के चौड़ी होजाती हो ऐसा शख़्स अक्सर चोर होता है.	ایڑی پر گوشت جو وقت چلنے کے چوڑی ہوجاتی ہو۔ ایسا شخص اکثر چور ہوتا ہے
अलामात पुश्त पा (पांव की पीठ.)	**علامات پشت پا (پاؤں کی پیٹھ)**
पाँव की पीठ का बुलन्द होना और कम बाल होना निशानी है नेकबख़्ती और ख़ुश मिजाजी की.	پاؤں کی پیٹھ کا بلند ہونا اور کم بال ہونا نشانی ہے نیک بختی اور خوش مزاجی کی۔

रान का सख्त होना और बालों का उसपर कम होना निशानी दौलत मन्दी है.

पिंडली बालों से भरी हुई गठीली हो वह अक्सर प्यादापा चलेगा और तंगदस्त रहेगा.

पिंडली बहुत लम्बी दलील तकब्बुर और हसद है.

पिंडली बहुत छोटी निशानी है इफ्लास की.

पिंडली दरमियानी न ज़्यादा लम्बी और न ज़्यादा छोटी और न बहुत मोटी और न बहुत बारीक निशानी है शुजाअत, सखावत और नेक बख़्ती और खुशमिज़ाजी की.

अलामात कअब (टखना.)

टखने पुर गोश्त होना निशानी है आसूदगी की.

ران کا سخت ہونا اور بالون کا اس پر کم ہونا نشانی دولت مندی کی ہے۔

پنڈلی بالوں سے بھری ہوئی گٹھیلی ہو وہ اکثر پیادہ پا چلے گا۔ اور تنگدست رہے گا۔

پنڈلی بہت لمبی دلیل تکبر اور حسد ہے۔

پنڈلی بہت چھوٹی نشانی ہے افلاس کی۔

پنڈلی درمیانی نہ زیادہ لمبی اور نہ زیادہ چھوٹی اور نہ بہت موٹی اور نہ بہت باریک نشانی ہے شجاعت سخاوت اور نیک بختی اور خوش مزاجی کی۔

علامات کعب (ٹخنہ)

ٹخنے پر گوشت ہونا نشانی ہے آسودگی کی۔

उंगलियों का मोटा और टेढ़ा और सख़्त होना निशानी है बदबख़्ती की.

انگلیوں کا موٹا اور ٹیڑھا اور سخت ہونا نشانی ہے بدبختی کی۔

उंगलियों के बंद करने में अगर सुराख़ दिखलाई दें तो निशानी है मुफ़लिसी और फ़िज़ूल ख़र्ची की.

انگلیوں کے بند کرنے میں اگر سوراخ دکھلائی دیں تو نشانی ہے مفلسی اور فضول خرچی کی۔

और अगर सूराख़ ज़ाहिर न हों तो यह दलील है दौलत और दिल-जमई की.

اور اگر سوراخ ظاہر نہ ہوں تو یہ دلیل ہے دولت اور دل جمعی کی۔

अलामात नाख़ुन.

علامات ناخن

लाल रंग होना दलील है अक़्ल और इल्म और ज़िहानत और सख़ावत की.

لال رنگ ہونا دلیل ہے عقل اور علم اور ذہانت اور سخاوت کی۔

रंग ज़र्द और स्याह निशानी है मुफ़लिसी और बदनसीबी और परेशानी की.

رنگ زرد اور سیاہ نشانی ہے مفلسی اور بدنصیبی اور پریشانی کی۔

अलामात रान व साक़ (पिंडली)

علامات ران و ساق (پنڈلی)

रान का पुरगोश्त होना दलील है ऐश व इशरत की.

ران کا پُر گوشت ہونا دلیل ہے عیش و عشرت کی۔

अलामात कफ़े दस्त (हाथ की हतेली.)	**علامات کفِ دست (ہاتھ کی ہتیلی)**
हतेली का पुरगोश्त होना निशानी है दौलतमन्दी की.	ہتیلی کا پُر گوشت ہونا نشانی ہے دولت مندی کی۔
और सुर्ख़ रंग होना निशानी है नेकी और खुश मिज़ाजी की.	اور سُرخ رنگ ہونا نشانی ہے نیکی اور خوش مزاجی کی۔
और ज़र्द रंग होना निशानी है बदचलनी की.	اور زرد رنگ ہونا نشانی ہے بدچلنی کی۔
और सफ़ेद और स्याह होना दलील है बदबख़्ती की.	اور سپید اور سیاہ ہونا دلیل ہے بدبختی کی۔
लकीरों का हतेली में बहुत होना या कम होना दोनें बुरे हैं.	لکیروں کا ہتیلی میں بہت ہونا یا کم ہونا دونوں بُرے ہیں۔
बल्कि मुतवस्सित होना निशानी है नेकी और खुशनसीबी की.	بلکہ متوسط ہونا نشانی ہے نیکی اور خوش نصیبی کی۔
अलामात अंगुश्तां (उंगलियां.)	**علامات انگشتان (انگلیاں)**
उंगलियों का लम्बा होना दलील दराज़ी उम्र है.	انگلیوں کا لمبا ہونا دلیل درازی عُمر ہے۔
उंगलियों का बारीक पतली और नर्म होना दलील है नेक बख़्ती की.	انگلیوں کا باریک پتلی اور نرم ہونا دلیل ہے نیک بختی کی۔

कुबड़ापन निशानी है कीना और अदावत की.

और क़द दरमियाना निशानी समझदारी और ज़िहानत और एतदाल मिज़ाजी और साफ़ बातिनी की.

अलामात रफ़्तार.

जिस शख़्स की टेढ़ी चाल होगी वह बुज़ुर्गों को बुराई से याद करेगा.

तेज़ और तुन्द चलना निशानी है गुस्सा और जिहालत की.

आहिस्ता चलना निशानी है ग़मगीनी की.

और दरमियानी चाल चलना निशानी है ज़ाहिरी और बातिनी ख़ूबियों की.

चलते वक़्त पाऊं ज़मीन पर ज़ोर से मारना निशानी है बदबख़्ती और मुफ़लिसी की.

लम्बे २ क़दम रखना निशानी है जिहालत की.

کبڑا پن نشانی ہے کینہ اور عداوت کی۔

اور قد درمیانہ نشانی سمجھداری اور ذہانت اور اعتدال مزاجی اور صاف باطنی کی۔

علامات رفتار

جس شخص کی ٹیڑھی چال ہوگی۔ وہ بزرگوں کو برائی سے یاد کریگا۔

تیز اور تند چلنا نشانی ہے غصہ اور جہالت کی۔

آہستہ چلنا نشانی ہے غمگینی کی۔

اور درمیانی چال چلنا نشانی ہے ظاہری اور باطنی خوبیوں کی۔

چلتے وقت پاؤں زمیں پر زور سے مارنا نشانی ہے بدبختی اور مفلسی کی۔

لمبے لمبے قدم رکھنا نشانی ہے جہالت کی

اور بُرا آواز کا ہونا نشانی ہے بیوقوف اور بدذات ہونے کی۔	और बुरा आवाज़ का होना निशानी है बेवक़ूफ़ और बदज़ात होनेकी.
آہستگی اور نرمی سے بات کہنا دلیل ہے عقل اور دانائی کی۔	आहिस्तगी और नरमीसे बात कहना दलील है अक़्ल और दानाई की.
جلدی کرنا بات کرنے میں نشانی ہے بدخلقی اور نادانی کی۔	जल्दी करना बात करने में निशानी है बदख़ुल्क़ी और नादानी की.
بات کرتے وقت ہاتھ کو حرکت دینا نشانی ہے سمجھداری اور ذہانت کی۔	बात करते वक़्त हाथ को हरकत देना निशानी है समझदारी और ज़हानत की.
علامات خندہ (ہنسی)	**अलामात ख़न्दा (हंसी.)**
قہقہا (ٹھٹھا مارنا) دلیل ہے نادانی اور بےحیائی کی۔	क़हक़हा (ठट्ठा मारना) दलील है नादानी व बेहयाई की.
اور مسکرانا نشانی ہے حیا اور وقار اور سنجیدگی اور خوش اخلاقی کی۔	और मुस्कराना निशानी है हया और विक़ार और संजीदगी और ख़ुश अख़्लाक़ी की.
علامات قد	**अलामात क़द.**
قد لمبا ہونا دلیل ہے نادانی کی۔	क़द लम्बा होना दलील है नादानी की.
پستہ قد ہونا دلیل ہے فتنہ انگیزی کی۔	पस्त क़द होना दलील है फ़ितना अंगेज़ी की.

बाल निकले यह निशानी दौलत है.	ایک بال نکلے یہ نشانی دولت ہے
और अगर दो बाल निकलें तो यह निशानी है हुनरमन्दी की.	اور اگر دو بال نکلیں تو یہ نشانی ہے ہنرمندی کی۔
और अगर तीन बाल निकलें तो यह निशानी है आबिद होने की.	اور اگر تین بال نکلیں تو یہ نشانی ہے عابد ہونے کی۔
और अगर चार बाल एक मसाम से निकलें तो यह निशानी है मुफ़लिसी और कमीनापन की.	اور اگر چار بال ایک مسام سے نکلیں تو یہ نشانی ہے مفلسی اور کمینہ پن کی۔
बाल का बारीक होना निशानी है नेकबख़्ती की.	بال کا باریک ہونا نشانی ہے نیک بختی کی۔
बाल का मोटा होना बुरा है.	بال کا موٹا ہونا بُرا ہے۔

अलामात आवाज़ / علامات آواز

आवाज़ का बड़ा और बुलन्द होना दलील है बहादुरी की.	آواز کا بڑا اور بلند ہونا دلیل ہے بہادری کی۔
बारीक और नर्म निशानी है उम्दा अख़लाक़ की.	باریک اور نرم نشانی ہے عمدہ اخلاق کی۔
गिनगिनाना अलामत तकब्बुर और ग़ुरूर है.	گنگنانا علامت تکبر اور غرور ہے۔

और बातिन के अच्छे होने की.	اور باطن کے اچھے ہونے کی-
हुक्मा कहते हैं कि बालों का दरम्याना होना निशानी है मर्दानगी और बहादुरी और अच्छे दिमाग होनेकी.	حکماء کہتے ہیں کہ بالوں کا درمیانہ ہونا نشانی ہے مردانگی اور بہادری اور اچھے دماغ ہونے کی-
सीने और पेट पर बहुत बाल होना निशानी है बेवक़ूफ़ी और नादानी की.	سینہ اور پیٹ پر بہت بال ہونا نشانی ہے بیوقوفی اور نادانی کی-
और थोड़े बाल होना निशानी है ज़िहानत और पाकीज़गी तबा की.	اور تھوڑے بال ہونا نشانی ہے ذہانت اور پاکیزگی طبع کی-
बाल के पीले रंग का होना निशानी है नादानी और जल्द रंजीदा होजाने की.	بال کے پیلے رنگ کا ہونا نشانی ہے نادانی اور جلد رنجیدہ ہوجانیکی-
बालों का सुरख़ी माइल होना निशानी है शुजाअत और सेहत दिमाग की.	بالوں کا سُرخی مائل ہونا نشانی ہے شجاعت اور صحت دماغ کی-
बाल स्याह अलामत है अक़्ल और अमानत की.	بال سیاہ علامت ہے عقل اور امانت کی-
बालों का दरमियाना होना स्याही, सख़्ती और नरमी में निशानी है अक़्ल और एतेदाल मिज़ाजी की.	بالوں کا درمیانہ ہونا سیاہی سختی اور نرمی میں نشانی ہے عقل اور اعتدال مزاجی کی-
और जिस के हर मसाम से एक एक	اور جس کے ہر مسام سے ایک

نرمی بدن

جسم کا نرم ہونا نشانی ہے سمجھ کے قوی ہونے اور طبیعت کے پاکیزہ ہونے کی۔

سختی بدن کی نشانی ہے بدن کے قوی ہونے اور طبیعت کے گندہ ہونے اور سمجھ کے ضعیف ہونے کی۔

کھال کا نرم اور نازک ہونا نشانی ہے نیک بختی اور نیک مزاجی کی۔

علامات موئے (بال)

بالوں کا سخت ہونا دلیل ہے بہادری اور مستقل مزاجی کی۔

بالوں کا بہت نرم ہونا نشانی ہے کم ہمتی اور خوف اور کم فہمی کی۔

اور بالوں کا درمیانہ ہونا نرمی اور سختی میں نشانی ہے ظاہر

नर्मी बदन.

जिस्म का नर्म होना निशानी है समझ के क़वी होने और तबीअत के पाकीज़ा होने की.

सख़्ती बदन की निशानी है बदन के क़वी होने और तबीअत के गंदा होने और समझ के ज़ईफ़ होने की.

ख़ाल का नर्म और नाज़ुक होना निशानी है नेक बख़्ती और नेक मिज़ाजी की.

अलामात मूए (बाल.)

बालों का सख़्त होना दलील है बहादुरी और मुस्तक़िल मिज़ाजी की.

बालों का बहुत नर्म होना निशानी है कम हिम्मती और ख़ौफ़ और कम फ़हमी की.

और बालों का दरमियाना होना नर्मी और सख़्ती में निशानी है ज़ाहिर

ठोड़ी और कुग्गी दाढ़ी और तेज़	ٹھوڑی اور چگی داڑھی اور تیز نظر
नज़र और कुशादा पेशानी भी हो	اور کشادہ پیشانی بھی ہو اور سر
और सर में बाल बहुत हों तो ऐसे	میں بال بہت ہوں تو ایسے شخص
शख़्स से परहेज़ करना और अपने	سے پرہیز کرنا اور اپنے کو بچانا
को बचाना निहायत ज़रूरी है.	نہایت ضروری ہے۔
लाल रंग आग की तरह का होना	لال رنگ آگ کی طرح کا ہونا
निशानी है जल्द रन्जीदा होजाने	نشانی ہے جلد رنجیدہ ہو جانے اور
और काम में जल्दी करने की.	کام میں جلدی کرنے کی۔
रंग हरा निशानी है बदबातिनी	رنگ ہرا نشانی ہے بدباطنی
(कप्टी) की.	(کپٹی) کی۔
रंग सुर्ख़ और सफ़ेद दलील है	رنگ سرخ اور سفید دلیل ہے
उम्दा अख़्लाक़ की.	عمدہ اخلاق کی۔
रंग सुर्ख़ मायल बस्याही नि-	رنگ سرخ مائل بسیاہی نشانی
शानी है बुरे अख़्लाक़ की.	ہے برے اخلاق کی۔
रंग गंदुमी-निशानी है उम्दा	رنگ گندمی نشانی ہے عمدہ
अख़्लाक़ और अक़्ल और समझ	اخلاق اور عقل اور سمجھ
और ज़हानत और नेक बख़्ती	اور ذہانت اور نیک بختی
की-	کی۔

علامات ناف	**अलामात नाफ़.**
ناف بڑی اور گول نشانی ہے دولت اور نیک بختی کی۔	नाफ़ बड़ी और गोल निशानी है दौलत और नेक बख़्ती की.
اور ناف بدوضع ہونا نشانی ہے نحوست کی۔	और नाफ़ बदवज़ा होना निशानी है नहूसत की.
علامات پشت (پیٹھ)	**अलामात पुश्त (पीठ)**
پیٹھ کا چوڑا ہونا نشانی ہے غصہ اور تکبر کی۔	पीठ का चौड़ा होना निशानी है गुस्सा और तकब्बुर की.
پیٹھ کا جھکا ہوا ہونا نشانی ہے بداخلاقی کی۔	पीठ का झुका हुवा होना निशानी है बद अख़्लाक़ी की.
پیٹھ کا لمبا ہونا نشانی ہے نحوست کی۔	पीठ का लम्बा होना निशानी है नहूसत की.
پیٹھ کا درمیانہ ہونا نشانی ہے سعادت اور نیک بختی کی۔	पीठ का दरमियाना होना निशानी है सआदत और नेक बख़्ती की.
علامات رنگ	**अलामात रंग.**
رنگ زیادہ سفید ہونا ہمراہ نیلی اور ہری آنکھ کے نشانی ہے بے شرمی۔ بدچلنی۔ خیانت اور نادانی کی۔	रंग ज़्यादा सफ़ेद होना हमराह नीली और हरी आंख के निशानी है बेशरमी, बदचलनी, ख़्यानत और नादानी की.
اگر ان نشانیوں کے ساتھ باریک	अगर इन निशानियों के साथ बारीक

और एक का छोटा होना और दूसरी का बड़ा होना अलामत है बद-बख़्ती की.

अलामात शिकम (पेट.)

पेट का बड़ा होना दलील है नामर्दी और नादानी की इल्ला माशाअल्ला.

पेट का दरमियाना होना निशानी है उम्दा राय होने और सुलझी अक़्ल और तेज़ी समझ की

पेट पर अगर एक लकीर हो-यानी (बट) तो उस की मौत तलवार से होगी.

और अगर दो लकीरें हों तो वह सोहबत निसवां को पसंद करेगा.

और अगर तीन या चार या पांच लकीरें हों तो निशानी है इल्म व अक़्ल व होशियारी की.

और अगर एक भी लकीर न हो तो ऐसा शख़्स इक़बालमन्द होता है.

اور ایک کا چھوٹا ہونا اور دوسری کا بڑا ہونا علامت ہے بدبختی کی۔

علامات شکم (پیٹ)

پیٹ کا بڑا ہونا دلیل ہے نامردی اور نادانی کی۔ اِلّا ماشاءاللہ۔

پیٹ کا درمیانہ ہونا نشانی ہے عمدہ رائے ہونے اور سلجھی عقل اور تیزی سمجھ کی۔

پیٹ پر اگر ایک لکیر ہو یعنی (بٹ) تو اُس کی موت تلوار سے ہو گی۔

اور اگر دو لکیریں ہوں تو وہ صحبت نسواں کو پسند کرے گا۔

اور اگر تین یا چار یا پانچ لکیریں ہوں تو نشانی ہے علم و عقل اور ہوشیاری کی۔

اور اگر ایک بھی لکیر نہ ہو تو ایسا شخص اقبال مند ہوتا ہے۔

होना बालों से निशानी है अक़्ल और दौलतमन्दी और नेकबख़्ती और ख़ुशमिज़ाजी की.

अलामात बग़ल व बाज़ू.

बाज़ू लम्बा और बग़ल पुरगोश्त होना निशानी है नेकबख़्ती और ज़्यादती रिज़्क़ की.

बाज़ू का छोटा होना और बग़ल का ख़ुश्क होना निशानी है मुफ़लिसी की.

अलामात सीना.

सीने का कुशादा होना और पुरगोश्त होना निशानी है नेकबख़्ती की.

सीने का तंग होना और कम गोश्त होना निशानी है नहूसत और बदनसीबी की.

अलामात पिस्ताँ (छाती)

दोनों पिस्तानों का बड़ा होना निशानी है दौलत और औलाद की.

بالوں سے نشانی ہے عقل اور دولتمندی اور نیک بختی اور خوش مزاجی کی۔

علامات بغل و بازو

بازو لمبا اور بغل پرگوشت ہونا نشانی ہے نیک بختی اور زیادتی رزق کی۔

بازو کا چھوٹا ہونا اور بغل کا خشک ہونا نشانی ہے مفلسی کی۔

علامات سینہ

سینے کا کشادہ ہونا اور پرگوشت ہونا نشانی ہے نیک بختی کی۔

سینے کا تنگ ہونا اور کم گوشت ہونا نشانی ہے نحوست اور بدنصیبی کی۔

علامات پستان (چھاتی)

دونوں پستانوں کا بڑا ہونا نشانی ہے دولت اور اولاد کی

अलामात मुहासिन (डाढ़ी.)

डाढ़ी का चुग्गी होना दलील है
जोदत और ज़िहानत की.

डाढ़ी का गोल होना दलील है
विक़ार और संजीदगी की.

डाढ़ी का बहुत लम्बा होना दलील
है हिमाक़त और नादानी की, इल्ला
माशा अल्ला.

डाढ़ी का गुन्जान होना निशानी है
ना समझ और नादान होने की.

अलामात कतफ़ (कन्धा.)

कंधों का दुबला होना निशानी है
बुरी आदत होने की.

कंधों का चकला होना निशानी है
शुजाअत और कम अक़्ली की.

कंधों का बालों से भरा होना निशा-
नी है मुफ़लिसी की.

कंधों का मुतवस्सित और साफ़

علامات محاسن (ڈاڑھی)

داڑھی کا چگی ہونا دلیل ہے
جودت اور ذہانت کی۔

داڑھی کا گول ہونا دلیل ہے وقار
اور سنجیدگی کی۔

داڑھی کا بہت لمبا ہونا دلیل ہے
حماقت اور نادانی کی۔ الّا
ماشاء اللہ۔

داڑھی کا گنجان ہونا نشانی ہے
ناسمجھ اور نادان ہونے کی۔

علامات کتف (کندھا)

کندھوں کا دُبلا ہونا نشانی ہے
بُری عادت ہونے کی۔

کندھوں کا چکلہ ہونا نشانی ہے
شجاعت اور کم عقلی کی۔

کندھوں کا بالوں سے بھرا ہونا
نشانی ہے مفلسی کی۔

کندھوں کا متوسط اور صاف ہونا

यह दलील है दराज़ी उम्र की.	ہے درازی عُمر کی۔
अगर दो लकीरें हों तो निशानी है हुनरमन्दी की.	اگر دو لکیریں ہوں تو نشانی ہے ہنرمندی کی۔
अगर तीन लकीरें हों तो निशानी है दौलतमन्दी की.	اگر تین لکیریں ہوں تو نشانی ہے دولتمندی کی۔
अलामात चेहरा.	**علامات چہرہ**
चेहरा पुरगोश्त होना दलील है काहिली निस्यान जिहालत और बद मिज़ाजी की.	چہرہ پُرگوشت ہونا دلیل ہے کاہلی نسیان جہالت اور بدمزاجی کی۔
चेहरा खुश्क और कम गोश्त निशानी है बदबातिनी की.	چہرہ خشک اور کم گوشت نشانی ہے بدباطنی کی۔
और दरमियाना निशानी है नेक मिज़ाजी की.	اور درمیانہ نشانی ہے نیکمزاجی کی۔
ज़रदी रंग चेहरा निशानी है बद बातिनी की.	زردی رنگ چہرہ نشانی ہے بدباطنی کی۔
और सफ़ेदी और सुरख़ी चेहरे की दलील है सच्चाई और अमानतदारी की.	اور سفیدی اور سُرخی چہرے کی دلیل ہے سچائی اور امانتداری کی۔

स्याह और ज़र्द होना निशानी है	سیاہ اور زرد ہونا نشانی
बदमिज़ाजी और नहूसत की.	ہے بدمزاجی اور نحوست کی۔
अलामात ज़नरव़ (ठोड़ी)	**علامات زنخ (ٹھوڑی)**
ठोड़ी का बारीक होना अलामत है	ٹھوڑی کا باریک ہونا علامت ہے
नेक मिज़ाजी की.	نیک مزاجی کی۔
ठोड़ी का पुरगोश्त होना निशानी	ٹھوڑی کا پُرگوشت ہونا نشانی
है जिहालत और तकब्बुर की.	ہے جہالت اور تکبر کی۔
ठोड़ी का मुतवस्सित होना दलील है	ٹھوڑی کا متوسط ہونا دلیل ہے
अक्ल और हुनर की.	عقل و ہنر کی۔
अलामात गरदन.	**علامات گردن**
छोटी गरदन होना निशानी है	چھوٹی گردن ہونا نشانی ہے
मक्कार व ख़ायन होने की.	مکار و خائن ہونے کی۔
लम्बी और पतली गरदन निशा-	لمبی اور پتلی گردن نشانی ہے
नी है बुज़दिली और हिमाक़त की.	بزدلی اور حماقت کی۔
और मोटी गरदन निशानी है	اور موٹی گردن نشانی ہے
सच्चाई और मुन्सिफ़ मिज़ाजी और	سچائی اور منصف مزاجی اور مدبّر
मुदब्बिर होने की.	ہونے کی۔
अगर गरदन में एक लकीर हो तो	اگر گردن میں ایک لکیر ہو تو یہ دلیل

علامات دنداں (دانت)

دانت بہت بڑے بڑے اور ملے ہوئے دلیل ہے شرارت کی۔

دانت بہت چھوٹے چھدرے دلیل ہے تندرستی کی۔

دانت ٹیڑھے اور ناہموار نشانی ہے مکر اور خیانت کی۔

متفرق دانت اور ہموار اور متوسط نشانی ہے نیکی اور منصف مزاجی اور امانت داری کی۔

تیس ۳۰ سے بتیس ۳۲ تک دانتوں کا ہونا نشانی ہے دولت مندی اور سمجھ داری کی۔

اور تیس سے کم ہونا نشانی ہے افلاس اور مصیبت کی۔

علامات تالو و زباں

تالو اور زبان کا لال ہونا نشانی ہے نیک بختی اور نیک مزاجی کی

अलामात दंदाँ (दांत)

दांत बहुत बडे२ और मिले हुवे दलील है शरारत की.

दांत बहुत छोटे छिदरे दलील है तन्दुरुस्ती की-

दांत टेढे और ना हमवार निशानी है मक्र और खयानत की.

मुत्फ़र्रिक़ दांत और हमवार और मुतवस्सित निशानी है नेकी और मुन्सिफ़ मिज़ाजी और अमानतदारीकी

तीस ३० से बत्तीस ३२ तक दांतों का होना निशानी है दौलतमन्दी और समझ-दारी की.

और तीस से कम होना निशानी है इफ़लास और मुसीबत की.

अलामात तालू व ज़ुबान.

तालू और ज़ुबान का लाल होना निशानी है नेक बरख़्ती और नेक मिज़ाजी की.

ہونٹ کا باریک ہونا نشانی ہے سمجھداری اور طبیعت کی پاکیزہ ہونے کی۔	होंठ का बारीक होना निशानी है समझदारी और तबीअत के पाकीज़ा होने की.
ہونٹ کا سُرخ اور متوسط ہونا نشانی ہے نیک بختی اور خوش طینت اور رائے درست ہونے کی۔	होंठ का सुर्ख़ और मुतवस्सित होना निशानी है नेकबख़्ती और ख़ुशतीनत और राय दुरुस्त होने की.
ہونٹوں کا نیلا اور سیاہ ہونا نشانی ہے بدمزاجی اور بد باطنی کی۔	होंटों का नीला और सियाह होना निशानी है बदमिज़ाजी और बदबा-तिनी की.
ہونٹ کا سفید ہونا نشانی ہے بیماری کی۔	होंठ का सफ़ेद होना निशानी है बीमारी की.
علامات دہن (مُنہ)	**अलामात दहन (मुंह)**
مُنہ کا فراخ ہونا دلیل ہے بہادری اور صحیح رائے ہونے کی۔	मुंह का फ़राख़ होना दलील है बहादुरी और सही राय होने की.
مُنہ کا تنگ ہونا دلیل ہے خوف اور بزدلی کی۔	मुंह का तंग होना दलील है ख़ौफ़ और बुज़दिली की.
عورتوں کا مُنہ چوڑا ہونا دلیل ہے زیادتی خواہش مباشرت کی۔	औरतों का मुंह चौड़ा होना दलील है ज़्यादती ख़्वाहिश मुबाशिरत की.

अलामात बीनी (नाक)

पतली नाक निशानी है सुबकी और कम अक़्ली की.

चौड़े और बड़े नथने होना दलील है गुस्सानाकी और शहवत परस्त होने की.

टेढ़ी नाक निशानी है शरारत और निफ़ाक़ की.

नाक बड़ी और लम्बी और नोक झुकी हुई दलील है दौलतमन्दी और ख़ुशहाली की.

नाक मुतवस्सित बुलन्दी व पस्ती में निशानी है उम्दा हवास होने की.

नाक दरमियान से दबी हुई निशानी है इफ़्लास और तंगदस्ती की.

अलामात लब (होंठ)

होंठ का मोटा होना निशानी है हिमाक़त और कुन्द ज़ेहनी और कीनावरी की.

علامات بینی (ناک)

پتلی ناک نشانی ہے سُبکی اور کم عقلی کی۔

چوڑے اور بڑے نتھنے ہونا دلیل ہے غصہ ناکی اور شہوت پرست ہونیکی۔

ٹیڑھی ناک نشانی ہے شرارت اور نفاق کی۔

ناک بڑی اور لمبی اور نوک جُھکی ہوئی دلیل ہے دولت مندی اور خوشحالی کی۔

ناک متوسط بلندی و پستی میں نشانی ہے عمدہ حواس ہونے کی۔

ناک درمیان سے دبی ہوئی نشانی ہے افلاس اور تنگدستی کی۔

علامات لب (ہونٹھ)

ہونٹ کا موٹا ہونا نشانی ہے حماقت اور کُند ذہنی اور کینہ وری کی۔

आंख कन्जी बद्तरीन चश्म है और दलील है बुख़्ल और बेहयाई और बेग़ैरती की.	آنکھ کنجی بدترین چشم ہے اور دلیل ہے بخل اور بے حیائی اور بے غیرتی کی۔
आंख नीली और छोटी और कांपने वाली निशानी है मक्कार और हीला साज़ और शहवत परस्त होनेकी.	آنکھ نیلی اور چھوٹی اور کانپنے والی نشانی ہے مکار اور حیلہ ساز اور شہوت پرست ہونے کی۔
गोल आंख मनहूस है	گول آنکھ منحوس ہے۔
आंख माइल बदराज़ी मुबारिक और निशानी है नेक बख़्ती की.	آنکھ مائل بدرازی مبارک اور نشانی ہے نیک بختی کے۔
सुर्ख़ डोरों का सफ़ेदी में होना निशानी है शहवत की.	سُرخ ڈوروں کا سپیدی میں ہونا نشانی ہے شہوت کی۔
अलामात गोश (कान)	**علامات گوش (کان)**
बड़ा कान होना निशानी है हाफ़िज़ा क़वी होने और उम्र दराज़ होने की.	بڑا کان ہونا نشانی ہے حافظہ قوی ہونے اور عمر دراز ہونے کی۔
कान दरमियाना होना निशानी है अक़्ल और दानाई और नेकी की.	کان درمیانہ ہونا نشانی ہے عقل اور دانائی اور نیکی کی۔
कान की लौ का गोश्त से भरा होना दलील है दौलतमन्दी की.	کان کی لَو کا گوشت سے بھرا ہونا دلیل ہے دولتمندی کی۔

अलामात चश्म (आंख)

आंख काली और बड़ी होना निशानी है सुसती व काहिली की.

और आंख छोटी दलील है कम फ़ेहमी व छचोरे पन की.

आंख दरमियानी निशानी है वफ़ादार और बाहया और उम्दा अख़ला-क़ और अच्छी आदत होने की.

घुसी हुई आंख निशानी है तकब्बुर और बदबातनी और ख्यानत और बदज़ात होने की.

आंख उठी हुई और बुलंद निशानी है बेहयाई और बुरक्ल की.

आंख जल्द २ मारना निशानी है मक्र और हीला और चोरी की.

आंख सुर्ख़ होना बग़ैर बीमारी के निशानी है उम्र दराज़ और बहादुर होने की.

علامات چشم (آنکھ)

آنکھ کالی اور بڑی ہونا نشانی ہے سستی اور کاہلی کی۔

اور آنکھ چھوٹی دلیل ہے کم فہمی و چھچھورے پن کی۔

آنکھ درمیانی نشانی ہے وفادار اور باحیا اور عمدہ اخلاق اور اچھی عادت ہونیکی

گھسی ہوئی آنکھ نشانی ہے تکبر اور بد باطنی اور خیانت اور بدذات ہونے کی۔

آنکھ اٹھی ہوئی اور بلند نشانی ہے بےحیائی اور تجمل کی۔

آنکھ جلد جلد مارنا نشانی ہے مکر اور حیلہ اور چوری کی۔

آنکھ سرخ ہونا بغیر بیماری کے نشانی ہے عمر دراز اور بہادر ہونے کی۔

व जेहल व तंगदस्ती की.

दोनों भवों का मिला हुवा होना द-
लील है मोहब्बत व शफ़क़त की अगर
मर्द की दोनों भवें मिली हों तो वह औरत
की जानिब ज़्यादा माइल होगा. और
अगर औरत की दोनों भवें मिली हैं तो
वह मर्द की जानिब ज़्यादा माइल होगी.

और भवों का मुतवस्सित होना
अर्ज़ और तूल और स्याही में निशानी
है समझदारी, ज़हानत व अमानतदारी
और तबीअत के पाकीज़ा होने की-

भवों का सिरा जो नाक की जानिब
है अगर बारीक हो दलील है फ़सादी
व फ़ितना अंगेज़ होने की.

भवों का बुलन्द होना निशानी है
नादानी और ग़ुरूर की.

और भवों के बालों का दराज़ होना दली-
ल है हिम्मत और शुजाअत और तुन्दख़ूई की

وجہل وتنگدستی کی۔

دونوں بھوں کا ملا ہوا ہونا
دلیل ہے محبت وشفقت کی۔ اگر مرد
کی دونوں بھوں ملی ہوں تو وہ عورت
کی جانب زیادہ مائل ہوگا۔ اور اگر
عورت کی دونوں بھوں ملی ہیں تو وہ
مرد کی جانب زیادہ مائل ہوگی۔

اور بھوں کا متوسط ہونا عرض اور
طول اور سیاہی میں نشانی ہے
سمجھداری ذہانت وامانت داری
اور طبیعت کے پاکیزہ ہونے کی۔

بھوں کا سرا جو ناک کی جانب
ہے اگر باریک ہو تو دلیل ہے
فسادی وفتنہ انگیز ہونے کی۔

بھوں کا بلند ہونا نشانی ہے
نادانی اور غرور کی۔

اور بھوں کے بالوں کا دراز ہونا
دلیل ہے ہمت اور شجاعت اور تندخوئی کی

स्रूर होने की.

माथे का मुतवस्सित होना बुलन्दी व फ़राख़ी में जिस में चैन व शिकन हों निशानी है सच्चाई व मोहब्बत व अक़्ल व फ़ेहम व तदबीर व होशियारी व नसीबेवरी की.

माथा तंग व बारीक दलील है बेहयाई नादानी व कम हिम्मती व कमीनापन व बख़ीली व तक्लीफ़ व इफ़्लास की.

और चैन दरमियान दोनों भवों व पेशानी के सर की तरफ़ से नाक की जानिब दलील है ग़ुस्सा व ग़ज़ब व ग़मगीनी की.

अलामात अबरू (भौं)

बड़ी और लम्बी भौं, खिंची हुई और बालों से भरी हुई निशानी है सख़्ती व बद मिज़ाजी व ख़ुदी व तकब्बुर

کی۔

ماتھے کا متوسط ہونا بلندی و فراخی میں جس میں چین و شکن ہوں نشانی ہے سچائی و محبت و عقل و فہم و تدبیر و ہوشیاری و نصیبہ دری کی۔

ماتھا تنگ و باریک دلیل ہے بےحیائی نادانی کم ہمتی و کمینہ پن و بخیلی و تکلیف و افلاس کی۔

اور چین درمیان دونوں بھوں اور پیشانی کے سر کی طرف سے ناک کی جانب دلیل ہے غصہ و غضب و غمگینی کی۔

علامات ابرو (بھوں)

بڑی اور لمبی بھوں کھنچی ہوئی اور بالوں سے بھری ہوئی نشانی ہے سختی و بدمزاجی و خودی و تکبر

अक़्ल मन्दों के लिखा जाता है इस इल्म क़्याफ़े पर जिस शख़्स को पूरा उबूर होगा उम्मीद है कि वह किसी बद-ज़ात और बद अफ़आल आदमी के - धोके में कम आवेगा. और अच्छे आ-दमी की इज़्ज़त व क़द्र करेगा.

अलामात सर.

बड़ा सर और गोल और हमवार और बालों से भरा हुवा दलील है अक़्ल व होशयारी व फ़ेहम व दानाई, क्यासत व फ़रासत व हिम्मत व सख़ावत की.

सर छोटा ना हमवार कम बालों का दलील है हिमाक़त, जिहालत कुन्द ज़हनी और ख़ुट्ठल होने की.

अलामात पेशानी (माथा)

माथा कुशादा व बे चैन व शिकन निशानी है झगड़ालू, बद बातिन व फ़िज़ूल गो, गप्पी, मुतकब्बिर, मग़-

عقلمندوں کے لکھا جاتا ہے اس علم القیافہ پر جس شخص کو پورا عبور ہوگا۔ امید ہے کہ وہ کسی بدذات اور بدافعال آدمی کے دھوکے میں کم آوے گا۔ اور اچھے آدمی کی عزت و قدر کرے گا۔

علامات سر

بڑا سر اور گول اور ہموار اور بالوں سے بھرا ہوا دلیل ہے عقل و ہوشیاری و فہم و دانائی کیاست و فراست و ہمت و سخاوت کی۔

سر چھوٹا ناہموار کم بالوں کا دلیل ہے حماقت جہالت کُند ذہنی اور کھٹل ہونے کی۔

علامات پیشانی (ماتھا)

ماتھا کشادہ و بے چین و شکن نشانی ہے جھگڑالو بد باطن و فضول گو گپی متکبر مغرور ہونے

हंसा और तहक़ीक़ात करके इन्साफ़ किया.

हिकायत.

एक शख़्स रात को किताब पढ़ रहा था किताब में लिखा देखा कि जिस की डाढ़ी बहुत लम्बी होती है वह शख़्स अहमक़ होता है ग़ौर की तो अपनी डाढ़ी को अन्दाज़ से ज़्यादा लम्बी पाके डाढ़ी को मुट्ठी में पकड़ कर बाक़ी डाढ़ी को चिराग़ के सामने किया ताकि जो ज़्यादा है जल जावे और जो मुट्ठी में है वह बचकर एतदाल पर रह जावे चिराग़ का शोला जब डाढ़ी में लगा तो तमाम डाढ़ी जल गई दलील क़्याफ़े की पूरी हुई.

बयान इल्मुल क़्याफ़ा.

बाद इस ज़िक्र व तमहीद के बयान अलामात आज़ाये इन्सानी का सर से पैर तक मुताबिक़ तजुर्बा हकीमों और

تحقیقات کر کے انصاف کیا۔

حکایت

ایک شخص رات کو کتاب پڑھ رہا تھا۔ کتاب میں لکھا دیکھا کہ جسکی داڑھی بہت لمبی ہوتی ہے وہ شخص احمق ہوتا ہے۔ غور کی تو اپنی داڑھی کو انداز سے زیادہ لمبی پائی۔ داڑھی کو مٹھی میں پکڑ کر باقی داڑھی کو چراغ کے سامنے کیا تاکہ جو زیادہ ہے جل جاوے۔ اور جو مٹھی میں ہے وہ بچکر اعتدال پر رہ جائے۔ چراغ کا شعلہ جب داڑھی میں لگا تو تمام داڑھی جل گئی دلیل قیافہ کی پوری ہوئی

بیان علم القیافہ

بعد اس ذکر و تمہید کے بیان علامات اعضاء انسانی کا سر سے پیر تک مطابق تجربہ حکیموں اور

نہایت پستہ قد آدمی نوشیرواں کی
عدالت میں دادخواہی کو آیا۔ اور کہا
کہ مجھ پر فلاں شخص نے ظلم کیا
ہے۔ نوشیرواں نے کہا تو غلط کہتا
ہے۔ علم القیافہ میں لکھا ہے کہ
پستہ قد آدمی سرکش مکار اور ظالم
ہوتا ہے۔ یہ شخص مظلوم نہیں ہے
بعدازاں تحقیقات کی گئی تو نوشیرواں
کا خیال ٹھیک نکلا۔ دوبارہ پھر
ایک پستہ قد آدمی نوشیرواں کے
پاس دادخواہی کو آیا۔ اور کہا فلاں
شخص نے مجھ پر ظلم کیا ہے
نوشیرواں نے کہا پستہ قد پر
کوئی ظلم نہیں کرتا۔ بلکہ وہ خود ظالم
ہوتا ہے۔ اس شخص نے عرض کی
کہ جس شخص نے مجھ پر ظلم کیا ہے
وہ مجھ سے بھی زیادہ پستہ قد ہے
نوشیرواں ہنسا اور

पस्ताक़द आदमी नोशेरवां की अ-
दालत में दादख़्वाही को आया और
कहा कि मुझपर फ़लां शख़्स ने ज़ुल्म
किया है नोशेरवां ने कहा तू ग़लत क-
हता है इल्मुलक़्याफ़े में लिखा है कि
पस्ताक़द आदमी सर्कश मक्कार व
ज़ालिम होता है- यह शख़्स मज़लूम
नहीं है - बाद अज़ां तहक़ीक़ात की गई
तो नोशेरवां का ख़्याल ठीक निकला
दोबारा फिर एक पस्ताक़द आदमी
नोशेरवां के पास दादख़्वाही को
आया और कहा फ़लां शख़्स ने मुझ-
पर ज़ुल्म किया है नोशेरवां ने कहा
पस्ताक़द पर कोई ज़ुल्म नहीं करता
बल्कि वह ख़ुद ज़ालिम होता है उस
शख़्स ने अर्ज़ की कि जिस शख़्स ने
मुझपर ज़ुल्म किया है वह मुझसे
भी ज़्यादा पस्ताक़द है-नोशेरवां

ایک روز ایک شخص بڑے لوگوں میں سے ملنے کو آیا۔ مصور نے اُس کی تصویر تیار کرکے پیش کی حکیم افلاطون نے انکار کیا۔ اور کہا کہ یہ شخص بداخلاق ہے۔ ہمارے ملنے کے قابل نہیں ہے جب یہ اطلاع اُس شخص کے پاس پہونچی تو اُس نے مکرر پیغام افلاطون کے پاس بھیجا کہ آپ نے از روئے علم القیافہ میرے اخلاق کے متعلق جو معلومات کی ہے وہ ٹھیک ہے۔ پہلے میرے اخلاق ایسے ہی تھے۔ مگر میں نے کوشش کرکے اُن کی اصلاح کرلی ہے۔ اور بدل دیا ہے۔ پھر افلاطون نے اُس کو بلالیا۔ اور اپنی ملاقات کا شرف بخشا۔

حکایت

بیان کرتے ہیں کہ ایک روز ایک

करदेता था एक रोज़ एक शख़्स बड़े लोगों में से मिलने को आया मुसव्विर ने उसकी तसवीर तय्यार करके पेश की हकीम अफ़लातून ने इनकार किया और कहा यह शख़्स बद अख़्लाक़ है हमारे मिलने के क़ाबिल नहीं है जब यह इत्तला - उस शख़्स के पास पहुंची तो उस ने मुकर्रर पैग़ाम अफ़लातून के पास भेजा कि आपने अज़रूये इल्मुल क़्याफ़ा मेरे अख़्लाक़ के मुतअल्लिक़ जो मालूमात की है वह ठीक है- पहिले मेरे अख़्लाक़ ऐसे ही थे मगर मैंने कोशिश करके उनकी इस्लाह करली है और बदल दिया है फिर अफ़लातून ने उस को बुलालिया और अपनी मुलाक़ात का शरफ़ बख़्शा

हिकायत.

बयान करते हैं कि एक रोज़ एक निहायत

मकान तय्यार कराया था उस पहाड़ पर
जाने का एक ही रास्ता था उस रास्ते
पर हकीम अफ़लातून ने एक मुस-
व्विर मुक़र्रर कर रखा था और उस
को हिदायत थी कि जो कोई हम से
मिलने आये अव्वलन उसकी तस-
वीर तय्यार करके हमारे सामने पेश
किया करो- ताकि अज़रूये इल्मुल-
क़्याफ़ा उस के ख्यालात का अन्दा-
ज़ा करूं अगर लायक़ मिलने के होगा
तो मैं उससे मिलूंगा वरना इनकार
कर दूंगा पस वह मुसव्विर हस्ब इस
हिदायत के अमल करता था जो श-
ख्स हकीम अफ़लातून से मुलाक़ात के
वास्ते आता अव्वलन उस की तस-
वीर खींच कर पेश करता था हकीम
अफ़लातून उस तसवीर पर गौर -
करने के बाद बुला लेता था या इनकार

مکان بنا رکھا تھا- اُس پہاڑ پر
جانے کا ایک ہی راستہ تھا- اُس راستہ
پر حکیم افلاطون نے ایک مصوّر مقرر
کر رکھا تھا- اور اُس کو ہدایت
تھی کہ جو کوئی ہم سے ملنے آوے
اوّل اُس کی تصویر تیار کر کے
ہمارے سامنے پیش کیا کرو-
تاکہ از روئے علمُ القیافہ اُس
کے خیالات کا اندازہ کر دوں- اگر
لائق ملنے کے ہوگا- تو میں اُس
سے ملوں گا ورنہ انکار کر دوں گا-
پس وہ مصوّر حسب اس ہدایت
کے عمل کرتا تھا- جو شخص حکیم
افلاطون سے ملاقات کے
واسطے آتا اوّلاً اُس کی تصویر
کھینچ کر پیش کرتا تھا حکیم افلاطون
اُس تصویر پر غور کرنے کے بعد
بُلا لیتا تھا یا انکار کر دیتا تھا-

चार रोज़ तो और अपने क़दमों की बर-
कत से मुझ को मुशर्रफ़ फ़रमावेंउस
के बेहद गिड़गिड़ाने व इसरार करने
से इमाम साहब ने हफ़्ता अशरह क़याम
किया जब वक़्त रवानगी का आया तो उस
मक्कार ने अपनी जेब से एक काग़ज़ नि-
काल कर पेश किया- वह काग़ज़ इख़्-
राजात मेहमानी का था- इमाम साहब
ने थोड़े तअम्मुल के बाद अपना तमाम
सामान उस को एवज़ सर्फ़ा महमानी
दे दिया- कहते हैं कि उस शख़्स की आं-
खें नीली और अन्दर घुसी हुई थीं-
ऐसी आंखें दलील मक्र, हीला, ख़्या-
नत और बद बातिनी और बे शर्मी की
होती हैं.

हिकायत.

यूनानियों के क़िस्सों में लिखा है कि
अफ़लातून हकीम ने एक पहाड़ पर

روز تو اور اپنے قدموں کی برکت
سے مجھ کو مشرف فرماویں۔ اُس
کے بے حد گڑگڑانے و اصرار کرنے
سے امام صاحب نے ہفتہ عشرہ
قیام کیا۔ جب وقت روانگی کا آیا۔
تو اُس مکّار نے اپنی جیب سے ایک
کاغذ نکال کر پیش کیا۔ وُہ کاغذ
اخراجات مہمانی کا تھا۔ امام صاحب
نے تھوڑے تامّل کے بعد اپنا تمام
سامان اُس کو عوض صرفہ مہمانی
دیدیا۔ کہتے ہیں کہ اُس شخص کی آنکھیں
نیلی اور اندر گھسی ہوئی تھیں۔ ایسی
آنکھیں دلیل مکر و حیلہ خیانت
اور بد باطنی اور بے شرمی کی
ہوتی ہیں۔

حکایت

یونانیوں کے قصّوں میں لکھا ہے
کہ افلاطون حکیم نے ایک پہاڑ پر

सकूनत दर्याफ़्त की जब उस को मा-
लूम हुवा कि यह इमाम जाफ़र सा-
दिक़ अलेहिस्सलाम हैं तो उनकी रका-
ब को बोसा दिया और बड़े अक़ीदे
के साथ पाऊं चूमे - और अर्ज़ की कि
हुज़ूर आली मेरे यहां की महमानी-
क़ुबूल फ़रमावें इमाम साहब ने हर-
चन्द उज़्र किया मगर वह न माना इमाम
साहब ने बावजूद इस के कि बरूये
इल्म क्याफ़ा उस के उयूब को मालूम
करलिया था मगर उस के इजज़ो
इन्कसारी करने से महमानी क़ुबू-
ल फ़रमाई - वह शख़्स इमाम सा०
को अपने घर लेगया और दावत की
जब सुबह इमाम साहब ने रवानगी
का क़स्द किया तो उसने अर्ज़ की
कि मेरे ऐसे नसीब कहां कि औलाद
रसूल मेरे यहां मेहमान हों भला दो

دریافت کی جب اُس کو معلوم ہوا
کہ یہ امام جعفر صادق علیہ السلام
ہیں تو اُن کے رکاب کو بوسہ دیا۔ اور
بڑے عقیدے کے ساتھ پاؤں چومے
اور عرض کی کہ حضور عالی میرے
یہاں کی مہمانی قبول فرماویں۔
امام صاحب نے ہرچند عذر کیا۔ مگر وہ
نہ مانا۔ امام صاحب نے باوجود اس کے
کہ بروئے علم قیافہ اس کے عیوب
کو معلوم کر لیا تھا مگر اُس کے عجز و
انکساری کرنے سے مہمانی قبول
فرمائی۔ وہ شخص امام صاحب
کو اپنے گھر لے گیا۔ اور دعوت کی
جب صبح امام صاحب نے روانگی
کا قصد کیا۔ تو اُس نے عرض
کی کہ میرے ایسے نصیب کہاں کہ
کہ اولاد رسول میرے یہاں
مہمان ہوں۔ بھلا دو چار

فائدہ علم القیافہ

فائدہ اس علم کا دونوں شخصوں کو پہونچتا ہے۔

ا۔ جو شخص اپنے عیبوں پر مطلع ہو اُس کو چاہئے کہ اُن کے چھوڑنے پر سخت کوشش کرے تاکہ بُرائی اور عیبوں سے پاک ہو جاوے۔

۲۔ اور جس کو غیر کے عیوب سے آگاہی ہو اُس کو چاہئے کہ اُس کے شر سے بچنے کی کوشش کرے۔

تمثیلاً چند حکایتیں درج ذیل ہیں۔

حکایت

امام جعفر صادق علیہ السلام سفر میں تھے۔ ایک شہر میں ان کو ایک آدمی ملا جو اعلےٰ درجہ کا قیمتی لباس پہنے ہوئے تھا۔ اُس نے بڑی انکساری سے سلام کیا۔ اور امام صاحب کا نام و مقام و جائے سکونت

फ़ायदा इल्मुल क़्याफ़ा.

फ़ायदा इस इल्म का दोनों शख़्सों को पहुंचता है.

१- जो शख़्स अपने ऐबों पर मुत्तला हो उस को चाहिये कि उनके छोड़ने पर सख़्त कोशिश करे. ताकि बुराई और ऐबों से पाक होजावे.

२- और जिस को ग़ैर के उयूब से आगाही हो उस को चाहिये कि उस शर से बचने की कोशिश करे.

तमसीलन चन्द हिकायतें दर्जज़ैल हैं.

हिकायत.

इमाम जाफ़र सादिक़ अलैहिस्सलाम सफ़र में थे एक शहर में उनको एक आदमी मिला जो आलादर्जे का क़ीमती लिबास पहने हुवे था उस ने बड़ी इन्किसारी से सलाम किया और इमाम साहब का नाम व मुक़ाम व जाये

ضرورت علم القیافہ

ہر انسان کو اس علم کا جاننا ضروری ہے۔ کیونکہ انسان مدنی الطبع واقع ہوا ہے۔ لوگوں میں مل جل کر رہنا پسند کرتا ہے۔ اور ملنے جلنے کے واسطے اس امر کا جاننا ضروری ہے کہ کون شخص ملنے اور معاملہ کرنے کے قابل ہے اور کون شخص ناقابل اور خاصکر بادشاہوں راجاؤں اور سرداروں اور حکاموں کو اس علم کا جاننا زیادہ ضروری ہے۔ کیونکہ حسب مراتب اُن کی ضرورتیں و تعلقات وسیع ہوتے ہیں۔ اُن کو انسان کے انتخاب میں بہت احتیاط و جانچ کرنا مناسب ہے۔ اگر اُن کا ایک انتخاب بھی بُرا ہوگا تو اُس کا نقصان ہزاروں آدمیوں کو پہونچے گا۔

ज़रूरत इल्मुल क़याफ़ा.

हर इन्सान को इस इल्म का जानना ज़रूरी है क्यूंकि इन्सान मदनिउत्तबा वाक़ै हुवा है लोगों में मिल जुलकर रहना पसन्द करता है और मिलने जुलने के वास्ते इस अमर का जानना ज़रूरी है कि कौन शख़्स मिलने और मुआमला करने के क़ाबिल है और कौन शख़्स ना क़ाबिल और ख़ास कर बादशाहों राजाओं और सरदारों और हुक्कामों को इस इल्म का जानना ज़्यादा ज़रूरी है क्योंकि हस्ब मरातिब उन की ज़रूरतें व तअल्लुक़ात वसी होते हैं उन को इन्सान के इन्तख़ाब में बहुत अहतियात व जांच करना मुनासिब है अगर उन का एक इन्तख़ाब भी बुरा होगा तो उस का नुक़्सान हज़ारों आदमियों को पहुंचेगा.

اور بُرے آدمی کے انتخاب سے جو موجب تکلیف ونقصان وپشیمانی ہوتا ہے بچیں گے۔

تعریف علم القیافہ

علم القیافہ وہ علم ہے جس کے ذریعہ سے انسان کی ظاہری حالت رنگ وشکل اعضاء دیکھکر اُس کے اخلاق باطنی کا پتہ لگاتے ہیں۔ علم القیافہ کو علم فراست بھی کہتے ہیں۔ فراست کے معنی ہیں دانائی یعنی گیان۔ چونکہ اس علم کے جاننے سے انسان کی ظاہری صورت دیکھکر اُس کے اندرونی خیالات کا اندازہ ہوتا ہے اس لئے جو لوگ اس علم کے عالم ہیں وہ محض انسان کا چہرہ واعضاء ظاہری دیکھکر خواہ مرد ہو یا عورت اُس کی عمدہ خصلتوں اور بُری عادتوں کا پتہ لگا لیتے ہیں۔

और बुरे आदमी के इन्तख़ाब से जो मू-जिब तकलीफ़ व नुक़्सान व पशेमानी होता है बचेंगे.

तारीफ़ इल्मुल क़्याफ़ा.

इल्मुलक़्याफ़ा वह इल्म है जिस के ज़र्ये से इन्सान की ज़ाहिरी हालत रंग व शक्ल आज़ाय देखकर उस के अख़्लाक़ बातिनी का पता लगाते हैं इल्मुल क़्याफ़े को इल्म फ़िरासत भी कहते हैं- फ़िरासत के मानी हैं दानाई यानी ग्यान चूंकि इस इल्म के जाननेसे इन-सान की ज़ाहिरी सूरत देखकर उस के अन्दरूनी ख़्यालात का अन्दाज़ा हो-ता है इस लिये जो लोग इस इल्म के आ-लिम हैं वह मेहज़ इन्सान का चेहरा व आज़ाय ज़ाहिरी देखकर ख़्वाह मर्द हो या औरत उस की उम्दा ख़सलतें और बुरी आदतों का पता लगालेते हैं

بہادر دام اقبالہٗ و ملکہٗ وحشمتہٗ
علمی تحفہ پیش کیا کرتا ہوں جو اصول
حکمرانی میں کارآمد و مفید ثابت
ہو۔ اب کی مرتبہ علم القیافہ میں
ایک مختصر رسالہ بڑے بڑے
حکما اور علما کی تصانیف
سے منتخب و مرتب کرکے بتقریب
سعید سولہویں سالگرہ حضور
معلٰی دام اقبالہٗ بطور ناچیز
پریزنٹ نہایت ادب کے ساتھ
پیش کرتا ہوں۔ امید شرف قبولیت ہے
علم القیافہ کے جاننے کی سب
کو ضرورت ہے۔ اور خاصکر بادشاہوں
راجاؤں کو بہت ضرورت ہے کیونکہ
ان کو ہزاروں آدمیوں سے معاملہ
پڑتا ہے۔ اگر اس علم پر لحاظ
رکھیں گے تو ہر کام اور معاملہ کیواسطے
اکثر بہترین آدمی انتخاب کرسکیں گے

शाह बहादुर दाम इक़बालहू व मुल्कहू
हशमतहू इल्मी तोहफ़ा पेश किया कर
ता हूं जो उसूल हुक्मरानी में कारआमद
व मुफ़ीद साबित हो- अब की मर्तबा
इल्मुल क़्याफ़े में एक मुख़्तसिर रि-
साला बड़े२ हुक्मा और उल्मा की
तसानीफ़ से मुन्तख़िब व मुरत्तिब कर
के बतक़रीब सईद सोल्हवीं सालगिरह
हुज़ूर मुअल्ला दाम इक़बालहू बतौर ना
चीज़ प्रेज़न्ट निहायत अदब के साथ पेश
करता हूं - उम्मीद शरफ़ क़ुबूलियत है.
इल्मुल क़्याफ़े के जानने की सब को
ज़रूरत है और ख़ासकर बादशाहों
राजाओं को बहुत ज़रूरत है क्योंकि उनको
हज़ारों आदमियों से मुआमला पड़ता
है अगर इस इल्म पर लिहाज़ रखेंगे तो
हर काम व मुआमले के वास्ते अक्सर
बहतरीन आदमी इन्तख़ाब करसकेंगे

١٣٨
١٣٤

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

अव्वल मैं तारीफ़ करता हूं अल्लाह तआला बुज़ुर्ग व बरतर की जो तमाम बादशाहों का बादशाह और सारे जहान का पैदा करने वाला और पाल ने वाला और मालिक व मुख़्तार है.

और दरूद व सलाम भेजता हूं ऊपर नबी आख़िरुज़्ज़मां के जो रेहमतुल्लि-ल आलमीन है और ऊपर आल व असहाब उनके के - बाद अज़ां अर्ज़ है कि मैं अक्सर बतक़रीब मुबारिक साल गिरह हुज़ूर मुअल्ला महाराजा जार्ज जयाजीराव सा. सेंधिया आली-

اول میں تعریف کرتا ہوں اللہ تعالیٰ بزرگ و برتر کی جو تمام بادشاہوں کا بادشاہ اور سارے جہان کا پیدا کرنے والا اور پالنے والا اور مالک و مختار ہے۔

اور درود و سلام بھیجتا ہوں اوپر نبی آخر الزماں کے جو رحمۃ للعلمین ہیں اور اوپر آل و اصحاب اُن کی کے۔

بعد ازاں عرض ہے کہ میں اکثر بتقریب مبارک سالگرہ حضور معلی مہاراجہ جارج جیاجی راؤ صاحب سیندھیہ عالیجاہ

रिसाला इल्मुल क़्याफ़ा

तोहफ़ा सालगिरह

मुअल्लिफ़ा

हकीम उबेदुल्लाखां

गवालियार

आलीजाह दरबार प्रेस,- गवालियार.

२४ नवम्बर सन १९३२ ई०

Date	No.	Date	No.